दिनांक

बाली का स्कूल

ये बाली का स्कूल और उसके आसपास का चित्र है। बाली बेर तोड़ कर स्कूल की ओर जा रही है।

- चित्र को ध्यान से देखो। अब मैं कुछ सवाल पूछता हूँ। तैयार? ----------

गजानन की बाड़ी में क्या दिख रहा है? ----------

और संतू के घर की ओर क्या-क्या ? ----------

और लल्ला जी के खेत मे क्या-क्या ? ----------

सड़क पर क्या-क्या दिख रहा है? ----------

बहन जी की साइकिल स्कूल के सामने है या पीछे? ----------

बाली स्कूल की ओर जा रही है। उसके बांए हाथ पर क्या है? ----------

जल्दी-जल्दी बताओ – मैंने कुछ वाक्य लिखे हैं। चित्र देख कर इन्हें पूरा करो। भरने के लिए इनमें से शब्द चुनो (सामने, पीछे, दाएं, बाएं, ऊपर-नीचे, बीच में)

बाली स्कूल के ---- है।
सड़क स्कूल के ---- है।
बेर का पेड़ स्कूल के --- है।
स्कूल बाली के ----- है।

गजानन की बाड़ी बाली के ----- है।
भैंसे की तरफ बाली का --- हाथ है।
संतू का घर बाली के --- हाथ पर है।
लल्ला जी की भेड़ बाली के ----- है।

अच्छा अब चित्र में जो-जो छूट गया उसे बनाकर पूरा करो :-

- गजानन की बाड़ी में एक गिलकी की बेल बनाओ।
- लल्ला जी के खेत में 3 कौए बनाओ।
- संतू के घर के पीछे एक गाय बांधो।
- बाली के दांए हाथ पर एक कुआं बनाओ।
- खुले मैदान में बाड़ी के पास चार पेड़ बनाओ।
- बाली के बायीं ओर सड़क के पास नीम का पेड़

● तुम अपने स्कूल और उसके आसपास का चित्र बनाओ। क्या चित्र बनाने के लिए स्कूल के बाहर आना होगा? स्कूल के सामने क्या है, पीछे क्या है, सब बनाना। चित्र में अपने आप को भी बनाओ। तुम स्कूल के किस तरफ हो? और तुम्हारा मुँह किस ओर है? इसको सोचने के बाद अपना चित्र बनाना।

दिनांक

क्या घुला

रंग, शक्कर, फूल, नमक,
पत्थर, पेंसिल, चॉक,
पत्ती, हल्दी, कागज़,
आटा, मोम, पन्नी,
और भी चीज़ें जोड़ो

घोलचू और उसके दोस्त बहुत कुछ उठा लाए और लगे पानी में घोलने। कुछ चीज़ें तो घुल गईं। कुछ तो ऐसी थीं कि उस समय घुल गईं, पर बाद में अलग हो कर नीचे बैठ गईं। कुछ और चीज़ों को तो घोलचू अभी तक घोल रहा है।

तुम बताओ, ऊपर लिखी चीज़ों में से कौन-सी चीज़ें घुली होंगी? कौन सी नहीं? कुछ और चीज़ें तुम भी जमा करो और घोलकर देखो।

पहले अनुमान लगाकर तालिका में लिखो, फिर खुद कर के देखो और लिखो। अनुमान कितना ठीक था।

सामग्री का नाम	मेरा अनुमान	करके देखा तो

कौन **बड़ा**, कौन छोटा?

भैंसे जी को लगता है कि चूहे जी बहुत ही छोटे हैं।

पर मक्खी जी को लगता है कि चूहे जी बहुत ही बड़े हैं।

- तो बताओ चूहे जी बड़े हैं कि छोटे हैं? **बड़े हैं / छोटे हैं**
- तुमने चूहे जी को बड़ा या छोटा क्यों बताया?

अब तालिका में भैंसे जी, चूहे जी और मक्खी जी से बड़ी और छोटी चीज़ों के नाम सही जगह लिखो।

भैंसे जी से बड़ी/बड़ा	भैंसे जी से छोटी पर चूहे जी से बड़ी/बड़ा	चूहे जी से छोटी पर मक्खी जी से बड़ी/बड़ा	मक्खी जी से छोटी

तुम्हें कौन सी चीज़ बड़ी लगती है? कौन सी छोटी? क्या अम्मा को भी वही चीज बड़ी या छोटी लगती है?

- 10 ऐसी चीज़ों के नाम पट्टी पर लिखो जो तुमसे बड़ी हैं पर अम्मा जी से बड़ी।
- 10 ऐसी चीज़ों के नाम पट्टी पर लिखो जो तुम से छोटी हैं।

दिनांक

छप छप छपाई

नीचे कुछ चीज़ों के नाम लिखे हैं। बताओ इनमें से किन-किन में हमें कुछ छपा हुआ दिखता है?

किताब, मंजन की शीशी, घर की दीवार, कपड़ा, साइकिल,
चावल, अखबार, साबुन की पन्नी, और चवन्नी

छाप बनाने का काम हम भी कर सकते हैं। इसके लिए हमें चाहिये –

एक आलू, एक ब्लेड, एक छोटा-सा कपड़ा,
स्याही या घुला हुआ होली का रंग, खाली कागज़

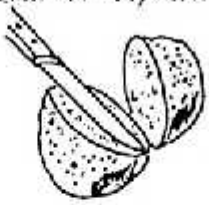

कैसे बनेगी छाप

1. आलू लेकर उसमें से एक टुकड़ा काट लो।

2. फिर पेंसिल से उस पर अपना मन पसंद डिज़ाइन बनाओ।

3. अब ब्लेड लो। और डिज़ाइन के बाहर वाले हिस्से को थोड़ा-थोड़ा कुतर कर/काट कर हटा दो। ऐसा करने से डिजाइन तो उभर आयेगा और बाहर वाला हिस्सा दब जायेगा।

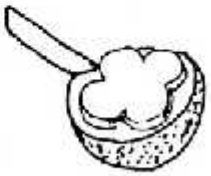

4. लो, हो गया तुम्हारा छप-छप तैयार। इससे छपाई करने के लिए पहले एक छोटा-सा कपड़ा लो। उसकी चार-पाँच तह बना लो। तह बनाकर उसे स्याही या घुले हुए रंग से थोड़ा गीला कर लो। ये बन गया तुम्हारा रंग पैड।

5. छापने के लिए खाली कागज़ ले लो। डिज़ाइन को रंग पैड पर दबाओ और फिर कागज़ पर लगाओ।

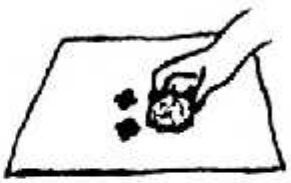

क्या हुआ, कैसी छपी तुम्हारी छाप?

तितली और चना

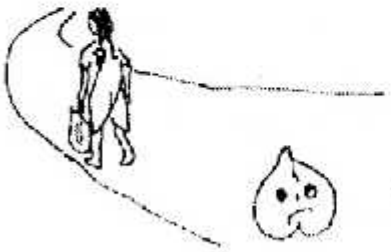

एक दिन की बात है। एक लड़की बाज़ार से चने खरीद कर घर ले जा रही थी। उसके झोले से एक चना रास्ते में गिर गया।

जहाँ वो चना गिरा वहाँ एक तितली रहती थी। तितली ने देखा कि अकेला चना बहुत डर रहा है। उसने सोचा, इसकी कुछ मदद करनी चाहिए। पर वो अकेली क्या करती? इसलिए उसने हवा से कहा – चने की कुछ मदद करो।

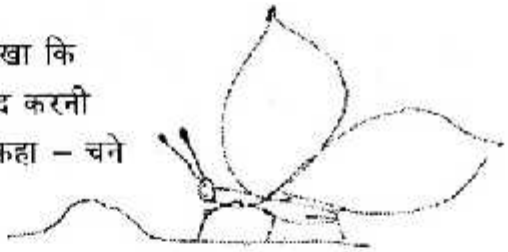

हवा ने मान लिया और धीरे-धीरे चने के ऊपर मिट्टी डालनी शुरू कर दी। चना मिट्टी से पूरा ढक गया।

तितली रोज़ वहाँ आकर देख लेती थी -- चना फिर कहीं से खुल तो नहीं गया।

एक दिन खूब ज़ोर से आँधी चली -- साँय साँय साँय। आकाश में काले बादल छा गए। बिजली चमकने लगी। बिजली के साथ बारिश भी आ गई। मिट्टी के नीचे दबा हुआ चना एकदम भीग गया।

रोज़ की तरह तितली फिर वहाँ आई। उसने देखे कि जहाँ चना दबा था वहाँ ज़मीन से कुछ निकल रहा था। पास आकर उसने पाया कि वो एक अंकुर था।

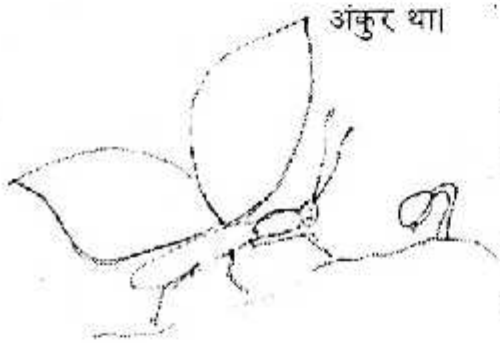

कुछ ही दिनों में यह अंकुर काफी बढ़ गया। पौधा बन गया। उस पर छोटे-छोटे पत्ते नज़र आने लगे। एक पतला-सा तना भी दिखाई देता था।

तितली ने पौधे से पूछा – यहाँ एक चना गिरा था वो कहाँ गया?

पौधे ने बताया - मैं उसी चने से बना हूँ। जमीन के अंदर मेरी जड़ है। जड़ मुझे पकड़ कर रखती है, गिरने नहीं देती। और मेरी पत्तियाँ मेरा खाना बनाती हैं।

दिनांक

पौधा धीरे-धीरे बढ़ता गया। वह सूरज की धूप और हवा में खुश होता। तितली को उसे देखने में बहुत मज़ा आता।
एक दिन तितली को कुछ नया-नया दिखा। पौधे की शाखाओं पर बैंगनी रंग के छोटे-छोटे फूल निकल आये थे।

फिर कुछ ही दिनों बाद उन फूलों की जगह घुंघरू सा कुछ लटका हुआ दिखाई दिया।
तितली ने पौधे से पूछा -- ये क्या है? पौधे ने बताया -- घुंघरू में हरा-हरा चना है, वैसा ही जैसे चने से मैं बना था।
तितली बहुत खुश हुई कि अब एक नया चना बन गया है।

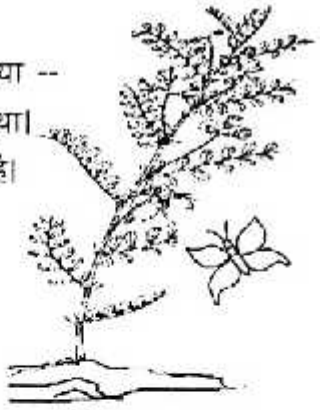

1. जहाँ चना गिरा वहाँ एक ———— रहती थी।
2. काले बादलों से ———— हुई।
3. भीगने पर चने से ———— निकला।
4. चने या बेसन से बनने वाली चीज़ों के नाम लिखो।

5. कहानी के चित्रों के नीचे इन नामों को सही जगह पर लिखो।
अंकुर, तना, पत्ती, शाखा, फूल, फल, जड़ ।

कुछ बीज लो। उन्हें स्कूल के पास बो दो। इस जगह को हर रोज़ पानी दो। कितने दिन के बाद पौधा ज़मीन से निकला?

देखो ऐसे उगता है पौधा।

मूंग का उगना

उलट पलट कर लिखो	
चना	नाच
पाना	———
पकी	कीप
पापी	पीपा
लगा	———
राधा	———
———	———
———	———
———	———
———	———
———	———

दिनांक

गोले, गोले और खूब गोले

एक कील या छोटी-सी लकड़ी लो। उसे मिट्टी में गाड़ लो। यूँ।
इस कील पर एक रस्सी या धागा बाँध दो। अब धागे का दूसरा सिरा लो। यहाँ एक डंडी या पेंसिल बाँध लो।

अब धागे को तानो। और पेंसिल को गड़ी हुई कील के चारों तरफ घुमाओ। बन जाएगा एक गोला। पर ध्यान रखो, कहीं कील उखड़ न जाये। उसे तो बस एक ही जगह जमे रहना है।

धागे को छोटा करोगे तो गोले भी ..... होंगे। और धागे को बड़ा करोगे तो गोले भी ..... होंगे। इसी धागे और कील की मदद से ढेर सारे बड़े-छोटे गोले बनाकर दिखाओ।

फिर कील को भी अलग-अलग जगह गाड़ कर गोले बनाओ। कील को कभी इधर कभी उधर, कभी पास कभी दूर गाड़ कर गोले बनाओ। ऐसा करते-करते तुम खूब सार डिज़ाईन भी बना सकते हो। जैसे –चेहरे भी बना सकते हो, बिल्ली भी बना सकते हो।

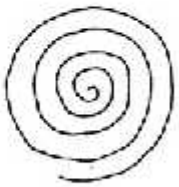

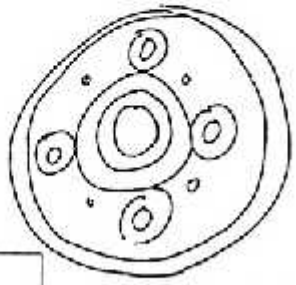

●एक तरीका और है। एक मोटे कागज़ की एक पट्टी लो। ऐसी- 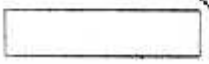

●अब इसके दोनों सिरे पर एक-एक छेद कर लो। ऐसे-

बस,अब पट्टी को कागज़ पर रखो और एक छेद में से आलपिन/काँटा गड़ाओ और दूसरी तरफ पेंसिल गोल घुमाकर देखो कैसा चित्र बना। एक ही पट्टी पर और भी छेद किए जा सकते हैं। 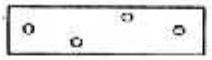
इससे कई तरह के गोले व चित्र बना सकते हो। पट्टी बनाकर करके देखो।

एक और डिज़ाइन भी बन सकता है,सोचो, इसे कैसे बनाओगे?

दिनांक

भोले दादाजी बोले!

एक बार बोले दादाजी
दो में पाँच घटाओ
और बचे तो, उतने लड्डू
मुझसे लेकर खाओ।

बच्चे बोले - दादाजी,
मत बुद्धू हमें बनाओ,
दो में पाँच घटेगा कैसे?
लड्डू हमें खिलाओ।

(श्री प्रसाद)

• कॉपी में करो –

1. बच्चों ने क्यों कहा की दादाजी आप हमें बुद्धू बना रहे हैं?
2. कविता में किस चीज़ को खाने की बात हो रही है?
3. यदि दादाजी पाँच लड्डू में से दो लड्डू घटाने को कहते, तब कितने लड्डू मिलते?
4. एक जैसी आवाज़ वाले शब्दों की जोड़ी मिलाओ।

दिखाओ	हिलाओ	हटाओ
घटाओ	पिलाओ	सिखाओ

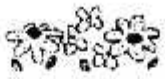

• नीचे के सवालों में जो घटता हो उस पर घेरा बनाओ।

14	35	28	34	5
- 16	- 23	- 26	- 42	- 7
____	____	____	____	____